राजसेवक परिषद का अभिनव ''प्रयास'' कार्यक्रम का आगाज

विजयवर्गीय राजसेवक परिषद जयपुर ने सामाजिक सरोकारों के निर्वहन की कडी में एक नया अध्याय ओर जोडते हुये समाज के मानवीय संसाधनों का उपयोग करते हुये विजयवर्गीय छात्र/छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के उपरान्त उनकी आगे की राह को आसान बनाने की दृष्टि से विजयवर्गीय समाज के सभी बच्चों की उनके अभिभावकों के साथ सहभागिता का समावेश करते हुये विजयवर्गीय समाज की विशाल धरोहर **''संगम'' विजयवर्गीय सामुदायिक केन्द्र एवं छात्रावास भवन, सेक्टर–26, एनआरआई सर्किल, प्रतापनगर, जयपुर** पर रविवार 8 जुलाई, 2018 को भव्यता के साथ **''विजयवर्गीयों का–विजयवर्गीयों के लिये–विजयवर्गीयों द्वारा**' के 'प्रयास'' विजयवर्गीय करियर निर्देशन सीरीज का संगीतमय आगाज के साथ सम्पन्न हुआ ।

रजिस्ट्रेशन व स्वागतः

''प्रयास'' कार्यक्रम में भाग लेने आये छात्र/छात्राओं व उनके अभिभावकों द्वारा भारी उत्साह दिखाते हुये समय से पूर्व पधारकर प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक रजिस्ट्रेशन कराकर इस आयोजन के प्रति अपना उत्साह प्रदर्शित किया । कार्यक्रम में पधारे सभी आगंतुकों के स्वागत की नई परम्परा में राजसेवक परिषद की कर्मठ महिला कार्यकताओं –श्रीमती आशा विजय–वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्रीमती कुसुम विजय–महिला कल्याण मंत्री एवं श्रीमती सुमन विजय–सांस्कृतिक मंत्री द्वारा कुमकुम तिलक लगाकर एवं उन्हें नमन करते हुये आत्मीयता के साथ स्वागत किया।

शुभारंभः

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व निर्धारित समय प्रातः 10 बजे सर्वप्रथम विजयवर्गीय समाज के आराध्य देव स्वामीजी श्री रामचरण जी महाराज एवं मां शारदे के तेल चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन, परिषद द्वारा अपनी एक ओर नवीन परम्परा का निर्वहन करते हुये नारी सशक्ति एवं समाज के होनहार बालक–बालिकाओं के करकमलों से संगीतमय प्रस्तुती के साथ किया गया । महाराजश्री की आरती का प्रस्तुतीकरण परिषद के सदस्य एवं विजयवर्गीय समाज के जाने–माने सुप्रसिद्व गायक श्री सुरेन्द्र कुमार विजयवर्गीय–मानसरोवर द्वारा बडे ही सुरिले अन्दाज में किया गया । इस अवसर पर बडी संख्या में पधारे सभी आगंतुक महानुभावों ने भी महाराजश्री एवं मां शारदा के आदर में खडे होकर स्तुती गान किया और कार्यक्रम को प्रारम्भ से ही बाल केन्द्रित करते हुये राजसेवक परिषद ने समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करने का प्रथम ''प्रयास'' किया

स्वागतः

मंच माला की पूर्व परम्पराओं का परित्याग करते हुये राजसेवक परिषद द्वारा नवीन परम्पराओं का निवर्हन करते हुये परिषद अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद विजय (नारायणपुर निवासी) ने सर्वप्रथम उपस्थित सभी छात्र/छात्राओं को सम्मानीय–आदरणीय के सम्बोधन के साथ कार्यक्रम में उपस्थित समाज की विभिन्न इकाईयों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों एवं अन्य महानुभावों का कार्यक्रम में पधारने पर स्वागत करते हुये अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी समाज में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के लिये उन्हें सही समय पर सही निर्णय लेने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है । समाज के युवाओं में प्रतिभा का कोई अभाव नहीं है अपितु आवश्यकता है उनकी प्रतिभा को खोजने हेतु सही मार्गदर्शन की । इसी भावना से प्रेरित होकर राजसेवक परिषद द्वारा इस अनोखी योजना ''प्रयास'' विजयवर्गीय करियर निर्देशन कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। यह कार्यक्रम ''विजयवर्गीयों का – विजयवर्गीयों के द्वारा और विजयवर्गीयों के लिये'' को केन्द्रीत करते हुये, करने का प्रथम प्रयास है। जो आगामी पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत अखिल भारतीय स्तर पर बढा रूप लेने की ओर अग्रसर होगा । परिषद अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि ''प्रयास'' करियर निदेशन कार्यक्रम में आज विभिन्न विषयों के अनुभवी विजयवर्गीय विशेषज्ञों द्वारा जो मार्गदर्शन प्रदान किया जावेगा उससे उनकी योग्यता, अभिरूचि, क्षमता एवं उनकी पारिवारिक स्थिति के अनुसार आगे के अध्ययन हेतु सही विषयों के चयन में एवं उनकी करियर में सहायक सिद्व होगा । तथा अवसाद में आने वाले छात्रों का मनोबल भी बढेगा । विजयवर्गीय समाज के इस निर्माणाधीन भवन की उपयोगिता का उल्लेख करते हुये कहा कि – ''संगम'' विजयवर्गीय सामुदायिक केन्द्र एवं छात्रावास भवन के नाम से ही इसकी सार्थकता इस बात से होती है कि इस भवन में एक मंजिल जयपुर से बाहर से अध्ययन करने हेतु आने वाले विजयवर्गीय विद्यार्थियों के उपयोग हेतु छात्रावास के रूप में बनकर तैयार होगा। यह ''प्रयास'' का कार्यक्रम भी उसी उद्देश्य से समाज को समर्पित है। साथ ही परिषद अध्यक्ष में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को अपनी समस्यायें विषय विशेषज्ञों के सामने खुल कर रखने व उनकी समस्याओं के उचित समाधान करने हेतु विषय विशेषज्ञों से अनुरोध किया। अन्त में यह भी अवगत कराया कि यह कार्यक्रम निरन्तर सतत प्रक्रिया का रहेगा जिसमें विभिन्न विषयों के चयन, प्रोफेसनल कोर्सेज, रोजगार, योग्य विद्यार्थियों के प्लेसमेन्ट आदि के संबंध मे समय समय पर सेमीनार आदि आयोजित होती रहेगी।

विशेषज्ञों का परिचयः

कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 चान्दमल विजयवर्गीय द्वारा ''प्रयास'' विजयवर्गीय विषय विशेषज्ञों जिनके द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया जाना है, का परिचय कराते हुये बताया कि –

1–श्री राजीव विजय, जिला परिवहन अधिकारी द्वारा 10वी व 12वीं विषय विकल्प पर, 2–डॉ0 योगेश कुमार विजयवर्गीय, प्रेसिडेन्ट, विवेकानन्द ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा विज्ञान विषय में अन्तर्गत रोजगार की संभावनों पर, 3–श्री अवनीश

विजयवर्गीय, एसोसियेट प्रोफेसर एण्ड डीन पोद्दार ग्रप ऑफ इन्स्ट्यूशन द्वारा उच्च शिक्षा एवं प्रोफेशनल कोर्स पर, 4–श्री मनोज विजयवर्गीय द्वारा सीए/सीएस के संबंध में, 5–श्री अंकित विजयवर्गीय द्वारा मोटिवेशन पर, 6–श्री एस.एन. विजयवर्गीय, डायरेक्टर, जीनस पॉवर इन्फ्राटेक्चर लि0 द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार की संभावनों पर, 7–श्री श्यामलाल विजय, से0नि0 उप महाप्रबन्धक, ऑरियन्टल बैंक आफ कॉमर्श द्वारा बैंक की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के संबंध में, 8–डॉ0 सुदीप विजयवर्गीय, निदेशक, विजय आईटीआई व पेरामेडीकल कालेज, बांदीकुई द्वारा रोजगार परख कोर्सेज पर, 9–श्री गोविन्दनारायण विजय, कृषि प्रसार अधिकारी द्वारा कृषि विज्ञान–शिक्षा के अन्तर्गत रोजगार के संबंध में, 10–श्री आनन्द विजयवर्गीय, विकास अधिकारी, भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा बीमा क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर, 11–डॉ0 रामगोपाल विजयवर्गीय, सेवानिवृत्त पशु वैज्ञानिक द्वारा पशुपालन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर एवं 12–स्वंय के द्वारा वाणिज्य विषय पर एवं इसके अतिरिक्त 13–श्री मनीष विजयवर्गीय द्वारा मोटीवेशन पर एवं 14–श्री बनवारीलाल विजय, आवासन मण्डल द्वारा जीवों और जीने दो के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया जायेगा । संयोजक जी ने सभी प्रस्तुतीकरण के लिये 5 से 15 मिनिट की समय सीमा निर्धारित की गई । साथ ही सभी उपस्थित विद्यार्थियों व अभिभावकों से प्रस्तुतीकरण के पश्चात विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासा के बारे में खुलकर बात करने का आह्वाहन किया।

<u>प्रस्तुतीकरण एवं छात्रों द्वारा प्रश्न–उत्तर का खुला सेंशन प्रारम्भः</u>

इसके पश्चात क्रमबद्व तरीके से विशेषज्ञों द्वारा अपने विषयों पर प्रभावी प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया जिसमें विषय विकल्प, डिग्री डिप्लोमा सर्टिफिकेट कोर्सेज एवं अन्य रोजगार परक अवसरों के संबंध में बताया गया । साथ ही बच्चों को मोटिवेशन प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उन्हें आगे के लिये प्रेरित/प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान एवं खुले सेशन में श्री राजीव विजय, डॉ0 योगेश जी, श्री अवनीश जी, श्री मनोज जी, श्री गोविन्दनारायण जी, श्री अंकित जी, आदि ने सामूहिक रूप से बच्चों के मध्य जाकर उनकी जिज्ञासा को जगाने का असाधारण प्रयास प्रारम्भ किया गया जिसकी परिणीती में अनेकोनेक बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने बिना संकोच किये उत्साहित होकर अपनी जिज्ञासा को विशेषज्ञों के सामने रखकर सीधा संवाद कायम किया और विशेषज्ञों द्वारा भी उन्हें प्रभावी रूप से समाधान की राह बताते हुये उन्हें पूर्ण रूप से संतुष्ट किया गया जिसका भाव बच्चों के चेहरे पर स्पष्ट झलक रहा था।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा अन्तःहृदय से विजयवर्गीय समाज के सभी विद्यार्थियों, युवाओं एवं अन्य महानुभावों को उनके क्षेत्र से संबंधित सभी प्रकार की कठिनाईयो को हल करने में हर समय निरन्तर मदद देने का आह्वान भी किया गया ।

<u>इन्टरब्यू का मोक प्रैक्टिसः</u> ऑरियन्टल बैंक आफ कॉमर्स से उप महाप्रबन्धक के पद से सेवानिवृत्त श्री श्याम लाल विजयवर्गीय द्वारा बैंक प्रतियोगियों के रूप में बच्चो के मध्य लाइव मोक् प्रेक्टिस कराई जाकर उन्हें इन्टरब्यू के बिन्दुओं की जानकारी से अवगत कराते हुये बच्चो में कॉन्फिडेन्स की अनुभूति कराई गई।

<u>संगीतमय वातावरणः</u>

कार्यक्रम में गायक एवं संगीत कलाकार श्री सुरेन्द्र कुमार विजयवर्गीय द्वारा अपने मधुर संगीत व प्रेरक गीतों के माध्यम से बच्चों व उपस्थित महानुभावों का मनोबल बढाया, जिसे सभी ने सराहा भी ।

<u>समाज की एकता का सूत्रपानः</u>

राजसेवक परिषद की पहल पर विजयवर्गीय समाज के बच्चों के लिये अनूठी पहल के अन्तर्गत आयोजित इस ''प्रयास'' करियर निर्देशन कार्यक्रम में राजसेवक परिषद के मुख्य संरक्षक श्री लल्लूलाल विजयवर्गीय, संस्थापक अध्यक्ष एवं संरक्षक श्री नन्दकिशोर विजय, पूर्व अध्यक्ष श्री विशम्भर दयाल विजय, पूर्व मुख्य संरक्षक श्री जे.पी.गुप्ता, परिषद कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी एवं सलाहकार मण्डल के सदस्यों के अतिरिक्त जयपुर समाज की सभी इकाईयों के पदाधिकारियों–प्रतिनिधियों ने भाग लेकर कार्यक्रम को पूर्ण रूप से सफल बनाने में अपनी महत्ती भूमिका अदा की।

<u>कार्यक्रम में –</u> विजयवर्गीय वाणी, जयपुर के सम्पादक श्री ओमप्रकाश जी, श्री विजयवर्गीय ट्रस्ट चौगान स्टेडियम के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश (भाया जी), विजयवर्गीय सभा भवन विकास समिति,महेशनगर के पदाधिकारी सर्वश्री कैलाश जी बासडा, सीए रामबाबू जी, विजयवर्गीय (वैश्य) समाज संस्था वैशालीनगर के अध्यक्ष श्री महेन्द्र कुमार जी, विजयवर्गीय (वैश्य) समाज समिति विधाधरनगर के अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद जी, विजयवर्गीय (वैश्य) समाज सेवा समिति मुरलीपुरा–विश्वकर्मा के अध्यक्ष श्री सुनील जी, टोंक प्रदेश निवासी विजयवर्गीय (वैश्य) समाज के अध्यक्ष श्री रामचरण जी, विजयवर्गीय (वैश्य) समाज समिति सांगानेर के अध्यक्ष श्री राजमल जी, विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती शकुन्तला जी, अखिल भारतीय विजयवर्गीय महिला संगठन जयपुर प्रदेश की अध्यक्षा श्रीमती वन्दना जी, विजयवर्गीय युवा संगठन के समस्त पदाधिकारी, विजयवर्गीय (वैश्य) समाज समिति मानसरोवर के अध्यक्ष श्री रामावतार जी, विजयवर्गीय नवचेतना जागृत संगठन के पदाधिकारी, विजयवर्गीय (वैश्य) समाज समिति मालवीयनगर के पदाधिकारीगण, केकडी विजयवर्गीय मण्डल के पदाधिकारी एवं वीपीएल लेजेंड्स समूह के पदाधिकारी के अतिरिक्त विजयवर्गीय जयपुर समाज प्रमुख व्यवसायी श्री रमेश जी सुपारी वाले, सांगानेर से समाज के कर्मठ कार्यकर्ता श्री राधेश्याम बासेडा एवं अन्य गणमान्य महानुभावों ने अपनी कार्यक्रम में अपनी उपस्थित दर्ज कराकर समाज के प्रति एकसूत्र एवं प्रयास के प्रति लगाव को प्रदर्शित किया।

आर्थिक व अन्य सहयोगः कार्यक्रम को सफल बनाने की दृष्टि से ''प्रयास'' के लिये विभिन्न स्पोन्सरशिप के अन्तर्गत विजयवर्गीय समाज के भामाशाहों एवं समाज की विभिन्न इकाईयों द्वारा अपना आर्थिक एवं अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान किया गया –

गोल्डन स्पोन्सरशिप (प्रत्येक 11000/– रूपये)

1–श्री रमेश विजय–सुरेश कुमार विजयवर्गीय (सुपारी वाले), ए–1 प्रोडेक्ट लालजी सांड का रास्ता
2–श्री सुनील विजयवर्गीय, अध्यक्ष, विजयवर्गीय (वैश्य) समाज सेवा समिति मुरलीपुरा–विश्वकर्मा
3–श्री श्याम जी विजय (तलाब वाले), विजय ट्रेडिंग कम्पनी एवं विजय इलेक्ट्रीक सर्विस विवेक विहार
4–डॉ0 सुमेश विजय, निदेशक, विजय आईटीआई एवं विजय पेरामेडिकल कालेज बांदीकुई
5–श्री अशोक विजय (गेरोली वाले) निदेशक,गाईडलाईन इमली फाटक
6 श्री राजीव–श्रीमती वन्दना विजय, निदेशक, विजयटेक कन्सलटेन्ट प्रा0 लि0 श्याम नगर, सोडाला

सिल्वर स्पोन्सरशिव (प्रत्येक 5100/–रूपये)

1–श्री राजेन्द्र प्रसाद–श्री नितीन विजय (गोविन्दपुरा वाले) Route to Root Build Estate Pvt.Ltd. गलता गेट
2–श्री सत्यनारायण विजय, उपाध्यक्ष, राजसेवक परिषद,सेठी कालोनी

ब्रोन्ज स्पोन्सरशिव (प्रत्येक 3100/–रूपये)

1– श्री खेमराज विजयवर्गीय,(बडली वाले), नई अनाज मण्डी चांदपोल बाजार

बेनर विज्ञापन (प्रत्येक 1100/–रूपये)

1– विजयवर्गीय (वैश्य) समाज समिति विधाधरनगर, जयपुर
2– श्री अखिलेश विजय (वैक्टा) उपाध्यक्ष, राजसेवक परिषद वैशाली नगर

नाश्ते का सहयोग : श्री ओमप्रकाश जी (भाया जी)–पूर्व प्रदेशाअध्यक्ष एवं श्री सुरेश कुमार विजय चौमू द्वारा

पाने की पानी का सहयोग :श्री श्याम सुन्दर विजय (पावटा वाले) वीकेआई द्वारा

भोजन–नाश्ता खिलाने की समस्त सश्रम सहयोग : विजयवर्गीय युवा संगठन,जयपुर कार्यकार्ताओं द्वारा

''प्रयास'' में दिये गये प्रस्तुतीकरण संबंधी समस्त जानकारी एवं अन्य सामग्री का निःशुल्क सहयोगः

1–पोद्दार कालेज, जयपुर (श्री अवनीश विजय–मानसरोवर के प्रयासों से)
2–विवेकानन्द कालेज, जयपुर (डॉ0 योगेश कुमार विजय–मानसरोवर के प्रयासों से)
3–श्री राजीव विजय, जिला परिवहन अधिकारी, जयपुर
3–श्री रोबिन विजय, प्रोपराईटर, नारायण क्रियेशन्स, मानसरोवर, जयपुर द्वारा

प्राजेक्टर व स्क्रीन सहयोगः परिषद अध्यक्ष के प्रयासों से निःशुल्क

परिषद की वेबसाईट :

राजसेवक परिषद की वेबसाईट www.vijayrajsevak.org संचालित है। जिस पर अपटेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है, को श्री सुमीत विजयवर्गीय–गुर्जर की थडी, जयपुर द्वारा कुशलता पूर्वक किया गया और किया जा रहा है। इस वेबसाईट में अब निरन्तर समय–समय पर परिषद, ''प्रयास'' एवं अन्य सामाजिक जानकारी आदिनांक अपडेट उपलब्ध कराने का ''प्रयास'' रहेगा । जिसके माध्यम से अखिल भारतीय स्तर पर विजयवर्गीय समाज के विद्यार्थी, युवा एवं समाज के अन्य महानुभाव लाभान्वित होते रहेंगे।

इस वेबसाईट में 8 जुलाई को सम्पन्न ''प्रयास'' विजयवर्गीय करियर निर्देशन कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ फिडबेक फार्म भी आन लाईन किया गया है जिसमें ''प्रयास'' के वर्तमान अनुभावों व आगे होने वाले निरन्तर इस प्रकार के कार्यक्रमों को कैसे उपयोगी बनाया जा सके उसके बारे में जानकारी दी जानी है। उल्लेखनीय है कि ''प्रयास'' की यह कार्य योजना पंचवर्षीय है जिसे निरन्तर उपयोगी बनाकर सभी विजयवर्गीयों को इसके माध्यम से लाभ प्रदान किये जाने का ''प्रयास'' है।

कार्यक्रम में विशेष योगदानः

राजसेवक परिषद अध्यक्ष की ''परिकल्पना'' – विजयवर्गीय विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक एवं अन्य उपलब्धियों के उपरान्त उनकी आगे की राह को आसान बनाने की दृष्टि से ''प्रयास'' कार्यक्रम को सफल बनाने में ''प्रयास'' कार्य समिति के सभी सदस्यों और विशेष रूप से कार्य समिति के संयोजक डॉ0 चान्दमल विजयवर्गीय, परिषद के योजना मंत्री श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता–करतापुरा, संयुक्त महासचिव व प्रवक्ता परिषद श्री गिरधर विजय–मानसरोवर, श्री अवनीश विजय–पत्रकार कालोनी मानसरोवर, श्री अंकित विजय–दादुदयाल नगर मानसरोवर द्वारा रातदिन एक कर इस कार्यक्रम को सफलता की ओर बढाया।

मंच संचालनः

''प्रयास'' कार्यक्रम की सभी बातों को बारीकी से ध्यान में रखते हुये प्रभावी व समयबद्व रूप से मंच संचालन परिषद के संयुक्त महासचिव एवं प्रवक्ता तथा कार्य समिति के सदस्य श्री गिरधर विजय–मानसरोवर द्वारा किया गया ।

राजसेवक परिषद का एक ओर उत्कृष्ठ ''प्रयास''

कार्यक्रम में पधारे सभी महानुभावों के लिये नाश्ते व सहभोज का भी आयोजन किया गया था । इस सहभोज में बची हुई समस्त प्रकार की सामग्री को **विजयवर्गीय युवा संगठन, जयपुर के कार्यकर्ताओं** ने अपनी महत्ती भूमिका निभाते हुये

सामग्री को खानिया आगरा रोड, जयपुर स्थित कुष्ठ आश्रम में जरूरतमंदो को समय पर पहुंचाकर उत्कृष्ट सामाजिक कार्य कर समाज बन्धुओं को एक श्लोगन **''खाना उतना ही लें कि थाली में जूठा न जाए''** के माध्यम से संदेश पहुंचाने का ''प्रयास'' किया।

बचत की राशि रूपये 25303 ''संगम'' निर्माण को समर्पितः

प्राप्त सहयोग राशि 84600/– **खर्चा** 1–किराना के सामान–9542/–रूपये, सब्जी–1550 रूपये, हलवाई की मजदूरी–2585 रूपये, टेन्ट–16000 रूपये, केटरिंग–(बिना वेटर) 6550, प्रचार प्रसार–9620 रूपये, सामाजिक पत्रिकाओं में एक–एक पृष्ठ का कलर पृष्ठ–5000 रूपये, फोटोग्राफर–500 रूपये, माईक साउड–5200 रूपये, विविध–बर्फ, दूध, गैस, सफाई आदि–2750रूपये एवं कुल खर्च 59297/– हुआ है । इस प्रकार 25303/– रूपये की जो बचत हुई है।

राजसेवक परिषद अध्यक्ष द्वारा पूर्व में किये गये वादे के मुताबिक इस कार्यक्रम में प्राप्त सहयोग राशि एवं खर्चे की राशि में से जो भी राशि शेष रहेगी वह समस्त राशि ''संगम'' विजयवर्गीय सामुदायिक केन्द्र एवं छात्रावास भवन के निर्माण कार्यो हेतु दी जावेगी । किये गये वादे के मुताबिक इस राशि को ''संगम'' निर्माण में सौंपी जाकर राजसेवक परिषद द्वारा एक अनुठी उदाहरण समाज के सामने रखने का प्रयास किया है। परिषद की हमेशा सोच रही है कि समाज के पैसों का उपयोग बचत करते हुये समाज के विकास कार्यो में ही लगना चाहिये।